an>

Title: Need to take suitable punitive action against persons involved in anti-national activities.

श्री महेश गिरी (पूर्वी दिल्ली) ः दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय पिछले कुछ समय से असंवैधानिक तथा राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का केन्द्र बनता जा रहा है। हम सबने देखा कि किस तरह से वहां ""भारत की बर्बादी तक जंग रहेगी"" तथा ""भारत तेरे टुकड़े होंगे"" जैसे राष्ट्र विरोधी नारे लगाए गए।

2010 में जब छत्तीसगढ़ में नक्सलियों द्वारा सी.आर.पी.एफ. के 76 जवानों की नृशंस हत्या पर देश शोक में था, वही जे.एन.यू. में जवानों की हत्या पर उत्सव मनाया गया। वहां नवरात्रों में महिषासुर शहादत दिवस के नाम पर घृणा का वातावरण पैदा किया जाता है। अफजल का शहादत दिवस भी 2014 से हर साल नियमित रूप से मनाया जाता है। बहुत लोग इन देशद्रोही गतिविधियों को अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर सही ठहराते रहे हैं और अब भी ठहरा रहे हैं लेकिन क्या देश को तोड़ने की बात करना देशद्रोह नहीं है?

देशद्रोह के मामलों तथा राष्ट्रविरोधी गतिविधि कर रही संस्थाओं पर सख्त कार्रवाई हो, और ऐसे मामलों में ढील न बरती जाए।